प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 84 / 2024)

तत्काल प्रकाशन हेतु
नई दिल्ली, 11 नवंबर, 2024

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

माननीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 25वीं दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद(एसएटीआरसी) की 25वीं बैठक का उद्घाटन किया तथा पारदर्शी, सुरक्षित और मानक आधारित भविष्य के सह-निर्माण का आह्वान किया।

- **माननीय मंत्री सिंधिया ने अपने संबोधन में कहा "1.2 बिलियन टेलीफोन और 970 मिलियन इंटरनेट सब्सक्राइबरों के साथ, भारत एक डिजिटल महाशक्ति (टाइटन) के रूप में उभरा है। वर्ष 2026-27 तक, भारत की 20% अर्थव्यवस्था डिजिटल हो जाएगी।"**
- **माननीय मंत्री सिंधिया ने कहा, "गैर स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन) जैसी नई प्रौद्योगिकी हमारे देशों को असंबद्ध क्षेत्रों को न केवल जोड़ने में सक्षम बनाएगी, अपितु संयुक्त राष्ट्र एसडीजी के प्रति हमारी प्रतिबद्धताओं को परिपूर्ण करने की हमारी सामूहिक यात्रा को भी आगे बढ़ाएगी।"**
- **दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी) देशों जैसे अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, इस्लामी गणतंत्र ईरान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के विनियामकों के प्रमुख और संबद्ध सदस्य इस बैठक में भाग ले रहे हैं।**

माननीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज नई दिल्ली में दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी-25) की 25वीं बैठक का उद्घाटन किया। अपने मुख्य भाषण में सिंधिया ने कहा, "भारत वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में उभर रहा है, एसएटीआरसी-25 ज्ञान-साझाकरण और उभरती नीति और विनियामक चुनौतियों पर अभिनव दृष्टिकोणों के संगम के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में काम करेगा।" उन्होंने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि "सुरक्षित, सुरक्षित और मानक संचालित भविष्य" को विनियामक निकायों द्वारा नीतियों के निर्माण का मार्गदर्शन करना चाहिए।

माननीय मंत्री महोदय अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, ईरान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका सहित एसएटीआरसी सदस्य देशों के विनियामक प्रमुखों और संबद्ध सदस्यों की एक प्रतिष्ठित सभा को संबोधित कर रहे थे। इस शुभ अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, एशिया-प्रशांत दूरसंचार(एपीटी) के महासचिव श्री मसानोरी कोंडो, बांग्लादेश दूरसंचार विनियामक आयोग के अध्यक्ष मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद इमदाद उल बारी, भादूविप्रा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी और भादूविप्रा के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी शामिल थे।

अपने संबोधन में, माननीय मंत्री सिंधिया ने डिजिटल अवसंरचना के विकास में भारत के नेतृत्व को रेखांकित करते हुए ब्रॉडबैंड पहुँच का विस्तार करने, विनियामक ढाँचे को बढ़ाने और एक समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। “असाधारण 1.2 बिलियन टेलीफोन और 970 मिलियन इंटरनेट सब्सक्राइबरों के साथ, भारत एक डिजिटल महाशक्ति (टाइटन) के रूप में उभर रहा है, जिसकी विशेषता एक तेज़ी से विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था है, जो एक दशक पहले सिर्फ़ 3.5% से एक प्रभावशाली छलांग लगाते हुए अब हमारे **समग्र आर्थिक परिदृश्य का 10% हिस्सा** है। चूंकि हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की तुलना में 2.8 गुना तेज़ गति से बढ़ रही है, इसलिए हमारा अनुमान है कि यह वर्ष 2026-27 **तक आश्चर्यजनक 20% तक पहुँच जाएगी।**”उन्होंने एसएटीआरसी के सदस्य देशों से डिजिटल समावेशिता, टिकाऊ नेटवर्क अवसंरचना और उपभोक्ता संरक्षण जैसे प्रमुख मुद्दों पर सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा,

“दक्षिण एशिया को एक सम्बद्ध, लचीले और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के अपने प्रयासों में एकजुट होना चाहिए” उन्होंने एक ऐसे क्षेत्र की कल्पना की जो साझा मूल्यों और आपसी समर्थन पर पनपता है।

माननीय संचार मंत्री श्री सिंधिया ने यह भी बताया कि दक्षिण एशिया वैश्विक आईसीटी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन्होंने ऐसे विनियमों की आवश्यकता पर बल दिया जो समावेशिता सुनिश्चित करते हुए नवाचार को प्रेरित करते हैं। नई तकनीकी प्रगति के बारे में बात करते हुए, **उन्होंने साझा किया, “नॉनटेरेस्ट्रियल नेटवर्क (एनटीएन) का आगमन – हमारे राष्ट्रों के सबसे दूरदराज के कोनों तक दूरसंचार कवरेज का विस्तार करने का एक क्रांतिकारी अवसर प्रस्तुत करता है। मुझे आशा है कि एनटीएन का विकास संचार प्रौद्योगिकियों में नए विस्तारों को खोलेगा, विभिन्न क्षेत्रों में अभिनव अनुप्रयोगों को प्रज्वलित करेगा और अंततः संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएन एसडीजी) की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा को आगे बढ़ाएगा।”**

संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर ने अपने भाषण में व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाने में दूरसंचार की परिवर्तनकारी शक्ति को दोहराया। उन्होंने दक्षिण एशिया में डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, साथ ही ऐसी विनियामक नीतियों का आह्वान किया जो उपभोक्ता संरक्षण के साथ नवाचार को संतुलित करती हों।

एपीटी के महासचिव श्री मासानोरी कोंडो ने अपने स्वागत भाषण के साथ सत्र की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने पूरे एशिया में एक स्थायी और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए एपीटी के मिशन पर जोर दिया। उन्होंने ऐसी सामंजस्यपूर्ण नीतियां बनाने के लिए क्षेत्रीय सहयोग का आह्वान किया जो निर्बाध संचार की सुविधा प्रदान करती हैं और आर्थिक विकास को गति देती हैं।

भादूविप्रा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने भी भादूविप्रा की ओर से उपस्थित लोगों का स्वागत किया, जिसमें डिजिटल संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने और डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए सीमा पार साझेदारी को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका पर जोर दिया।

एसएटीआरसी के अध्यक्ष, मेजर जनरल(सेवानिवृत्त) मोहम्मद इमदाद उल बारी, जो बांग्लादेश दूरसंचार विनियामक आयोग के अध्यक्ष हैं, ने एसएटीआरसी की दो दशकों की प्रगति पर विचार किया और दक्षिण एशिया में नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल परिवर्तन का लाभ उठाते हुए क्षेत्र में भविष्य के सहयोग के लिए आशावाद व्यक्त किया।

एशिया-प्रशांत दूरसंचार समुदाय (एपीटी) द्वारा आयोजित और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण(भादूविप्रा) द्वारा मेजबानी करते हुए इस कार्यक्रम में दूरसंचार विनियमनों और नीतिगत चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए समस्त क्षेत्रों के विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों, उद्योग प्रतिनिधियों और सेवा प्रदाताओं एक साथ लाते हैं। दिनांक 11 से 13 नवंबर 2024 तक चलने वाली तीन दिवसीय बैठक में रेडियो फ्रीक्वेंसी समन्वय, दूरसंचार विकास रणनीतियों, विनियामक प्रवृत्तियों और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार मामलों जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया सुश्री वंदना सेठी, सलाहकार (प्रशासन एवं आईआर) से advadmn@trai.gov.in पर संपर्क करें।

माननीय मंत्री सिंधिया के ट्वीट का लिंक:

https://x.com/JM_Scindia/status/1855876878369706404

मंत्री का पूरा भाषण: https://www.youtube.com/watch?v=mU0EoR5vsGQ

हस्ता०/-
(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव, भादूविप्रा

*****